

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

(‘ए+ श्रेणी’ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी.सी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम
सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति),
सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - III							
BCA-HIN- AECC-301	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	02	02	32	08	40	1.30 घंटे

BCA-HIN-AECC-301-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2
समय-1.30 घंटे,

कुल अंक-40
परीक्षा अंक - 32, आंतरिक मूल्यांकन - 08

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी व व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।
- हिंदी भाषा में लेखन कौशल व संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा संबंधी निर्देश -

- **पाठ बोध** -निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 3 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 6 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 8 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा और भारतीय संविधान, हिंदी के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा), देवनागरी लिपि का मानकीकरण।
- विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग और चुनौतियां, विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र की परिभाषिक शब्दावली
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर, ई-लर्निंग और हिंदी
- वेब कंटेन्ट लेखन की प्रक्रिया, वेब कंटेन्ट का ले-आउट, डिजाइन एवं प्रस्तुति, प्रमुख हिंदी E-पत्र-पत्रिकाएं एवं वेबपोर्टल।
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)।
- वर्तनी शोधन।

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- संभाषण-साहित्य, संस्कृति और शासन - महादेवी वर्मा
- रेखाचित्र- पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- यात्रा -मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- व्यंग्य -आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी